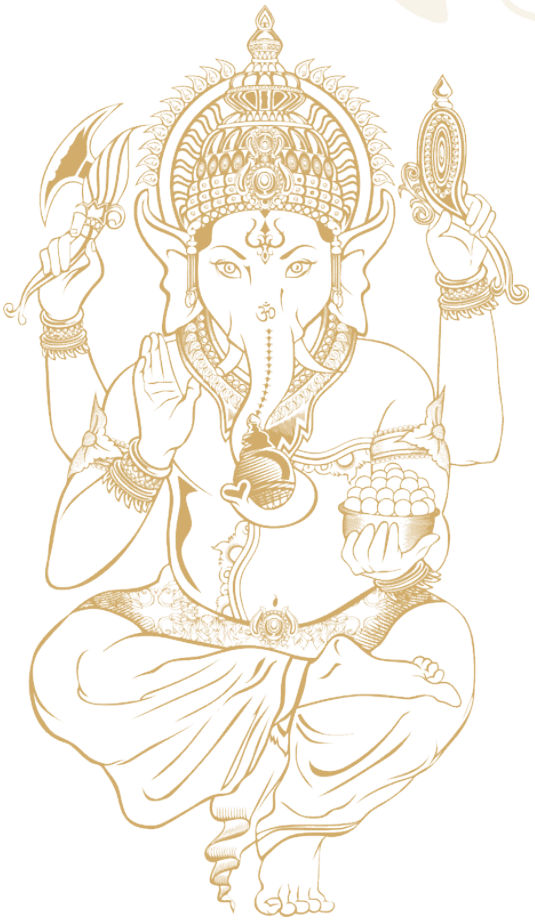

# Mr. Sukrit

# Ms.shruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121502804

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 10/02/2000 | जन्म तिथि | 07/07/2001 |
| गुरुवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 14:30:45 | जन्म समय | 10:30:30 घंटे |
| घटी 19:28:50 | जन्म समय(घटी) | 12:24:41 घटी |
| India | देश | India |
| Gondia | स्थान | Sagar |
| 21:23:00 उत्तर | अक्षांश | 22:38:00 उत्तर |
| 80:14:00 पूर्व | रेखांश | 75:40:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:09:04 | स्थानिक संस्कार | -00:27:20 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:43:13 | सूर्योदय | 05:48:23 |
| 18:03:36 | सूर्यास्त | 19:15:51 |
| 23:51:17 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:52:25 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध 7वर्ष 5मा 8दि | | 10:39:34 | मिथु | लग्न | सिंह | 23:14:45 | सूर्य 0वर्ष 6मा 6दि | |
| शुक्र | | 27:04:18 | मक | सूर्य | मिथु | 21:16:52 | राहु | |
| 20/07/2014 | | 24:09:54 | मीन | चंद्र | मक | 08:51:05 | 12/01/2019 | |
| 20/07/2034 | | 04:52:16 | मीन | मंगल व | वृश्चि | 22:21:45 | 11/01/2037 | |
| शुक्र | 19/11/2017 | 14:06:28 | कुंभ | बुध | मिथु | 00:39:13 | राहु | 24/09/2021 |
| सूर्य | 19/11/2018 | 05:25:44 | मेष | गुरु | मिथु | 04:49:49 | गुरु | 18/02/2024 |
| चन्द्र | 20/07/2020 | 26:30:00 | धनु | शुक्र | वृष | 07:46:08 | शनि | 25/12/2026 |
| मंगल | 19/09/2021 | 17:13:05 | मेष | शनि | वृष | 15:47:30 | बुध | 13/07/2029 |
| राहु | 19/09/2024 | 09:44:08 | कर्क व | राहु व | मिथु | 12:30:14 | केतु | 01/08/2030 |
| गुरु | 21/05/2027 | 09:44:08 | मक व | केतु व | धनु | 12:30:14 | शुक्र | 31/07/2033 |
| शनि | 20/07/2030 | 23:10:51 | मक | हर्ष व | कुंभ | 00:23:47 | सूर्य | 25/06/2034 |
| बुध | 20/05/2033 | 10:49:40 | मक | नेप व | मक | 14:07:06 | चन्द्र | 25/12/2035 |
| केतु | 20/07/2034 | 18:43:00 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 19:13:28 | मंगल | 11/01/2037 |

**लग्न-चलित**

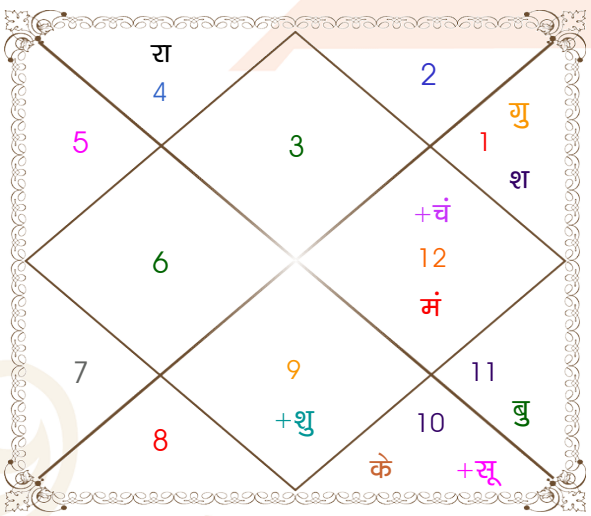


**लग्न-चलित**

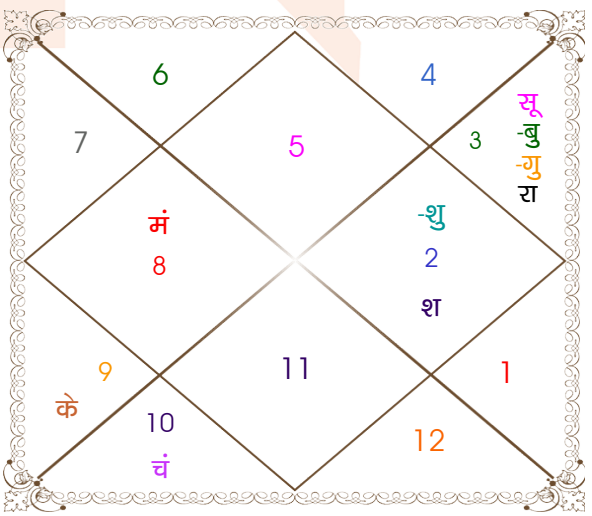

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | वध | क्षेम | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | नकुल | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शनि | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मीन | मकर | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 21.50 | | |

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण्ै नातपज का नक्षत्र रेवती है।

डतण्ै नातपज का वर्ग सिंह है तथा Ms.shruti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ै नातपज और Ms.shruti का मिलान शुभ है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण्ै नातपज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms.shruti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।**
**वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.shruti कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.shruti कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्ै नातपज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ै नातपज तथा Ms.shruti में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।